

ज्ञानमाला रुद्रनीधान् हामी कोड़ा गाड़ा गाड़ा मुखिया जीत मान् स्पाइस रुद्रम् ।
मालाशिलमा हुगम् तु ब्रियादा का उर्मि मुखिया देखे चैवेत् मुखिया और हामी हु
का नाउंसा कागत पारने का समार गाड़ा को मुखिया भार को थिति वै देज का जो मध्ये का सनद
मोजी हामी धोइ गुड़ा गुड़ा का मुखिया जला र का गुड़ा मारथि जोश नद गी पाड़ साँ १५३
साल मीठी काती किंदा द १० रोज , मान न रुल गगन सीते गीर देखा का सनद १ सम्बत् १५३ साल मा
वह गीर वक्ता का थिति को सनद । सम्बत् १५०३ साल मीठी माघ शुद्ध द१० रोज २ मा
२ वाठ गीर वक्ता को धी अंडे सनद । सम्बत् १५०३ साल मीठी माघ शुद्ध द१० रोज ५ मा
गीर वक्ता का थिति वै देज का लाल जो हुरु सम्बत् १५०३ साल मीठी आषाढ वदि द१० रोज ५ मा
वाठ गीर वक्ता का थिति वै देज को होइ तनद । - - - का बीवा हा प्राका गज आत हस्त वनाउन
लाई का गज दिन भौमा सनद में ऊचुंदा लोप्ते देव वसेजी स १४२ साल भाद्र दिन रोज ३ दे
का गज वना दुर्गाया को हनद वडाह १५३१ साल मीठी आषित शुद्ध द१० रोज ३ मा - -
वाठ गीर वक्ता को मुखिया भार को थिति वै देज को न काद तक तको पहा गीर वक्ता सो थिति वै मी
मी का गते दास खासु आजत के साम की छाँकने का द्वे दृवनवी चमा छुल्पा ही गीर विड़ा लालु
लालु दृवनवी लालु का विड़ा का थिति भार न द वसेजी १० साम गाड़ा गाड़ा द१० दास काम
वे साम भया सावेह के व कस्तुरी सा थिति सावी थिति गी १० साम का जमा बाला गीर विड़ा लालु
उ पस्तुरी सावेह का एक दृव भया का वषत मां भागते काड़ी गाड़ी गाड़ी का मुखिया भानउंसा
ज मुखिया हेन्दा अधिकाथि वै देज का शनद पव हेन्दा लो हनद पव वसेजी कास गो कोर के
उ काद दृव
मिया को मुखिया है छुल्पा ही लालु लालु ३१ साल का मुखिया भार भार वसेजी अधी मीर देज को
दृव
भानु का नाउंसा सासनद गी पाड़ शुहू प्रभु जो सर्व दुक्षु

मृत लदा दोष का कारण होइ ताकु गाड़ के मुखिया के
परिवर्तन मुखिया जीता न लगाना को फोटो को छह दिन बढ़ाये

ଶ୍ରୀମତୀ କୁମାରାଜୁଙ୍କ ରେଜ ଶ୍ରୀ